सज रहे मेरे श्री राज देखो फूलों से
देखो फूलों से जी देखो फूलों से
छाए रही कैसी बहार देखो फूलों से

दूर दूर से देखो साथी दर्शन करने आए
एहसान तुम्हारे जुबां यह कह ना पाए
मेहरबां हमारे ने की है मेहरबानी
आत्म को जगाने वह लाये अखण्ड वाणी

मैं मंदिर पहुंची जय हो,प्रीतम को देखा जय हो
कोई उनके आगे जय हो,कोई उनके पीछे जय हो
कोई भागी आवे जय हो,कोई दौड़ लगावे जय हो
कोई फूल चढ़ावे जय हो,पिया को रिझावे जय हो
शोभा अति सुन्दर जय हो,मंदिर के अन्दर जय हो
मैं क्या बतलाऊं जय हो,कुछ कह न पाऊं जय हो

प्रीतम से हमें मतलब दुनिया से क्या लेना
नैया लागे किनारे,तूफान से क्या लेना
सज़ रहे....

Nijanand App